vinetur

# बिकी न हुई व्हिस्की के स्टॉक बढ़ने से स्कॉच डिस्टिलरियां उत्पादन रोक रही हैं।

संयुक्त राज्य, फ्रांस और चीन में कमजोर मांग ने उत्पादकों को भंडारण, पर्यटन और पुनर्गठन पर अधिक निर्भर कर दिया है।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



स्कॉटलैंड भर में स्कॉच व्हिस्की निर्माता बिकी न हुई मात्रा के बढ़ने के कारण उत्पादन धीमा कर रहे हैं या रोक रहे हैं, और मांग के संभलने का इंतजार करते हुए उद्योग का एक हिस्सा भंडारण स्थान, पर्यटन आय और वित्तीय पुनर्गठन पर और अधिक निर्भर हो रहा है।

कई डिस्टिलरियों ने अतिरिक्त स्पिरिट जोड़ने से बचने के लिए अपने स्टिल्स रोक दिए हैं, ताकि वह स्थिति और न बढ़े जिसे उत्पादक बढ़ता हुआ "whisky loch" कहते हैं—उद्योग में गोदामों में पड़ी स्पिरिट की बड़ी अधिकता के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द। एडिनबरा की Holyrood Distillery में उत्पादन फिलहाल रुका हुआ है और इसे फिर शुरू करने की कोई तारीख तय नहीं है। व्यवसाय के सह-संस्थापक रॉब कारपेंटर ने कहा कि पूरे व्यापार में हुई बातचीत से उनका आकलन है कि उद्योग अब अपनी सामान्य गतिविधि के लगभग एक-तिहाई पर चल रहा हो सकता है। यह अनुमान

Scotch Whisky Association का आधिकारिक आंकड़ा नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि कुछ स्थानों पर गतिविधि कितनी तेज़ी से धीमी हुई है।

दबाव कंपनियों के वित्तीय हालात में भी दिख रहा है। हाइलैंड्स की सामुदायिक स्वामित्व वाली डिस्टिलरी GlenWyvis ने पिछले सप्ताह कहा कि वह व्हिस्की बाजार में लंबे समय से बने दबाव के बाद administration में जाने की मांग करेगी। Fife में Diageo की सबसे बड़ी डिस्टिलरी Cameronbridge के कर्मचारियों ने सोमवार को कंपनी के स्कॉटलैंड संचालन में प्रस्तावित नौकरी कटौतियों के विरोध में हड़ताल शुरू की।

यह मंदी स्कॉच मांग में लंबे विस्तार के बाद आई है, जो पिछले 15 वर्षों के बड़े हिस्से में जारी रहा और महामारी के दौरान तेज हो गया। उस अवधि में उत्पादकों ने उत्पादन बढ़ाया क्योंकि वैश्विक बिक्री बढ़ रही थी और प्रीमियम व्हिस्की ने पीने वालों के साथ-साथ संग्राहकों को भी आकर्षित किया। अब बाजार एक साथ कई बड़े गंतव्यों में ठंडा पड़ गया है, जिससे डिस्टिलरों के सामने यह समस्या है कि कैस्कों में बहुत अधिक स्पिरिट परिपक्व हो रही है और यह अनिश्चितता है कि खरीदार कब मजबूत संख्या में लौटेंगे।

भंडारण असंतुलन का एक स्पष्ट संकेत बन गया है। Kirkcaldy के पास, Diageo का Cluny maturation complex 220-हेक्टेयर साइट पर विस्तारित किया जा रहा है, जो कभी ओपन-कास्ट कोयला खदान थी। परियोजना पूरी होने पर यह परिसर लगभग 3 million कैस्क स्कॉच रख सकेगा। यह आंकड़ा वर्तमान में भरे गए कैस्कों की मात्रा नहीं, बल्कि भंडारण क्षमता को दर्शाता है, लेकिन यह उस ढांचे के पैमाने को दिखाता है जिसकी ऐसे उद्योग में जरूरत होती है, जहां व्हिस्की को बेचने से पहले वर्षों तक परिपक्व होना पड़ता है।

कानून के अनुसार, स्कॉच को स्कॉटलैंड में ओक के कैस्कों में कम से कम तीन साल परिपक्व होना चाहिए, और कई अधिक मूल्य वाली बोतलें इससे कहीं अधिक समय तक परिपक्व की जाती हैं। उत्पादन और बिक्री के बीच यह देरी स्थिर परिस्थितियों में भी योजना बनाना कठिन बना देती है। जब मांग कमजोर पड़ती है, डिस्टिलर वर्षों पहले लिए गए फैसलों को जल्दी नहीं पलट सकते। जब मांग फिर बढ़ती है, तो पुराने व्हिस्की स्टॉक को फिर से बनाने में वर्षों लग सकते हैं।

निर्यात के आंकड़े इस दबाव की वजह समझाने में मदद करते हैं। स्कॉच निर्यात की वार्षिक कीमत अरबों पाउंड होती है, लेकिन उद्योग के कुछ सबसे बड़े विदेशी बाजार कमजोर पड़े हैं। Scotch Whisky Association के अनुसार, राष्ट्रपति Donald Trump द्वारा अप्रैल 2025 में लगाए गए टैरिफ के बाद संयुक्त राज्य को निर्यात 15% गिर गया। ये शुल्क बाद में इस साल हटा दिए गए, लेकिन शुरुआती झटका पहले ही गति को नुकसान पहुँचा चुका था। फ्रांस में मांग, जो लंबे समय से स्कॉच के सबसे महत्वपूर्ण वॉल्यूम बाजारों में से एक रहा है, भी घटी है। चीन में वृद्धि उतनी मजबूत नहीं रही जितनी उद्योग के कई लोगों को उम्मीद थी। भारत को निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है और उसने गिरावट का कुछ हिस्सा संतुलित किया है, लेकिन कहीं और कमजोर मांग की पूरी भरपाई के लिए यह पर्याप्त नहीं है।

उत्पादक और विश्लेषक कहते हैं कि यह बदलाव सिर्फ व्यापार नीति का नहीं है। महामारी के बाद उपभोक्ता व्यवहार भी बदला है। कुछ खरीदारों ने तब भारी खरीदारी की जब वे घर पर अधिक समय बिता रहे थे और मनोरंजन पर खर्च के विकल्प कम थे। साथ ही, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं, तंग घरेलू बजट और ऊंची कीमतों ने कई उपभोक्ताओं को प्रीमियम स्पिरिट खरीदते समय अधिक सतर्क बना दिया है।

ये व्यापक दबाव स्कॉटलैंड के बाहर शराब कंपनियों को भी प्रभावित कर रहे हैं। Financial Times ने रिपोर्ट किया कि दुनिया के सबसे बड़े पांच सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध पेय समूह रिकॉर्ड $22 billion मूल्य की परिपक्व हो रही स्पिरिट्स रखे हुए हैं। यह कुल कई श्रेणियों को शामिल करता है और सिर्फ स्कॉच व्हिस्की तक सीमित नहीं है, लेकिन यह पेय कारोबार में महामारी के बाद की व्यापक सुस्ती की ओर इशारा करता है।

छोटी डिस्टिलरियों के लिए यह समायोजन खास तौर पर कठिन हो सकता है। बड़े उत्पादकों के विपरीत, जिनका वैश्विक वितरण व्यापक होता है और भंडार गहरे होते हैं, नई या स्वतंत्र इकाइयों के पास अक्सर वित्तीय सहारा कम होता है।

एडिनबरा में स्थित होने की वजह से Holyrood को कुछ हद तक सुरक्षा मिली है, जहां पर्यटन आय का एक और स्रोत है। डिस्टिलरी को हर साल लगभग 40,000 आगंतुक मिलते हैं, और टूर अब उसके राजस्व का करीब आधा हिस्सा हैं। यह कारोबार डिस्टिलेशन की जगह नहीं लेता, लेकिन इसने निष्क्रिय स्टिल्स के असर को कुछ हद तक कम किया है।

इस साल उन उत्पादकों के बीच अंतर और साफ हो गया है जिनके पास पर्यटन आय है और जो थोक बिक्री पर अधिक सीधे निर्भर हैं। जो डिस्टिलर विज़िटर अनुभव, चखने के सत्र और ब्रांडेड मर्चेंडाइज़ बेच सकते हैं, उनके पास बाजार सुधरने तक नकदी लाने के अधिक तरीके हैं। अन्य उत्पादक परिपक्व हो रही व्हिस्की के लंबे चक्र और इन्वेंट्री बनाए रखने की लागत के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।

मौजूदा सुस्ती ने 1980 के दशक की यादें ताज़ा कर दी हैं, जब स्कॉच को कमजोर मांग और अधिक आपूर्ति का सामना करना पड़ा था, जिससे कई बंदियाँ हुईं। उद्योग के पुराने जानकारों का कहना है कि मौजूदा मंदी गंभीर है, लेकिन जरूरी नहीं कि स्थायी हो। उनका कहना है कि स्कॉच बार-बार अतिउत्पादन और सुधार के चक्रों से गुज़री है, और अक्सर सावधानी के दौर के बाद कमी के दौर आए हैं।

फिर भी, निकट अवधि का परिदृश्य कठिन बना हुआ है। trade में लोगों के अनुसार, स्कॉटलैंड की 156 सक्रिय डिस्टिलरियों में से दर्जनों के बिक्री के लिए होने की अफवाह है, और उत्पादक अब महत्वाकांक्षा से कम, संरक्षण को ध्यान में रखकर परिचालन फैसले ले रहे हैं। उद्योग की मौजूदा चुनौती यह नहीं है कि व्हिस्की बनाई जा सकती है या नहीं, बल्कि यह है कि कंपनियाँ वैश्विक मांग के उस स्टॉक को सोखने से पहले कितनी देर तक इंतजार कर सकती हैं जो पहले से ही स्कॉटलैंड भर के गोदामों में परिपक्व हो रहा है।